राजस्थान समसामयिकी अप्रैल, 2026

संजीव Telegram, App एवं वेबसाइट से निःशुल्क डाउनलोड करें
राजस्थान की आर्थिक समीक्षा एवं बजट का सार संग्रह;
राजस्थान, राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय समसामयिकी (प्रत्येक माह)
साथ ही संजीव App एवं वेबसाइट से आप
Books एवं E-Books भी खरीद सकते हैं।
visit us at : www.sanjivprakashan.com

राजस्थान समसामयिकी अप्रैल, 2026
(Current News from Daily Newspapers)

Newspaper of 1 April, 2026

■ तारबंदी योजना में किसानों को अब 1.5 नहीं मात्र 0.5 हैक्टेययर भूमि होने पर भी अनुदान मिलेगा–

वर्ष 2025-26 में छोटे कृषकों की मांग को ध्यान में रखते हुए विभागीय दिशा निर्देशों में परिवर्तन कर तारबंदी में 1.5 हैक्टेयर भूमि की बाध्यता को दूर करते हुए इसे 0.5 हैक्टेयर किया है, ऐसा करने से गरीब एवं छोटी जोत वाले किसानों को भी लाभ मिलेगा।

राज्य सरकार कांटेदार, चेनलिंक तारंबदी, वर्गाकार नोड फेंसिंग करवाने पर दे रही अनुदान–राजस्थान सरकार कृषि उत्पादन को बढ़ाने सीमांत एवं लघु स्तर के किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत करने के उद्देश्य से तारबंदी योजना पर अनुदान दे कर किसानों को राहत प्रदान कर रही है।

योजना के लिए पात्रता और दिए जाने वाला अनुदान– कांटेदार, चेनलिंग तारंबदी, वर्गाकार नोडफेंसिंग योजना के लिए आवेदनकर्ता किसान राजस्थान का मूल निवासी होना चाहिए, उसके पास 0.5 हेक्टेयर भूमि होनी आवश्यक है।

- ♦ यदि एक किसान के पास 0.5 हैक्टेयर नहीं है तो वो अपने पड़ोसी के साथ मिलकर समूह में आवेदन लगा सकता है, समूह में 2 या 2 से अधिक किसान मिलकर भी यदि 0.5 हैक्टेयर भूमि एक जगह पर रखते हैं तो उन्हें भी इसका लाभ मिलेगा।
- ♦ सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने के लिए सामुदायिक रूप से न्यूनतम 10 या अधिक किसान मिलकर 5 हैक्टेयर भूमि में तारबंदी करवाते हैं तो प्रति किसान अधिकतम 400 मीटर लंबाई पर 50 प्रतिशत या 100 रुपये प्रति मीटर के हिसाब से अधिकतम 40 हजार रुपये अनुदान राशि मिलेगी।
- ♦ लघु एवं सीमांत किसानों को 400 मीटर लंबाई पर इकाई लागत का 60 प्रतिशत या 120 रुपये प्रति मीटर के हिसाब से 400 मीटर पर 48 हजार रुपये तक प्रति कृषक देय होगा।
- ♦ सामूहिक रूप से 10 किसान मिलकर यदि 5 हैक्टेयर क्षेत्र में यदि तारबंदी करते है तो उन्हें इकाई लागत का 70% अनुदान अर्थात 140 रुपये प्रति मीटर के हिसाब से 400 मीटर पर 56 हजार रुपये प्रति किसान तक अनुदान देय है।

अनुदान की प्रक्रिया–किसान द्वारा कांटेदार चेनलिंग तारबंदी योजना के लिए किसान साथी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने के पश्चात् विभाग द्वारा प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी जाती है। तत्पश्चात् किसान या समूह द्वारा खेत में तारबंदी करने का कार्य किया जाता है। कार्य पूर्ण होने पर व्यय राशि के समस्त बिल किसान या समूह द्वारा संबंधित कृषि अधिकारी को उपलब्ध करवाने होते हैं।

Newspaper of 3 April, 2026

■ केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं में अनुदान; वित्तीय वर्ष 2025-26, मार्च माह में केन्द्र ने राज्य को 19 हजार करोड़ रुपए दिए–

वित्तीय वर्ष 2025-26 में केन्द्र सरकार से केन्द प्रवर्तित योजनाओं में अनुदान, सास्की योजना व केन्द्रीय करों में हिस्से के रूप में राज्य को 1 लाख 20 हजार 369 करोड़ रुपए प्राप्त हुए। अकेले मार्च महीने में ही लगभग 19 हजार करोड़ रुपये केन्द्र सरकार ने राजस्थान को उपलब्ध कराए।

स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, शिक्षा, पेयजल, कृषि एवं आधारभूत संरचना आदि क्षेत्रों के विकास के लिए केन्द्रीय योजनाओं में राज्य को खासी राशि प्राप्त हुई है। केन्द्र सरकार ने पूंजीगत व्यय बढ़ाने के लिए ब्याज रहित ऋण के रूप में स्कीम फोर स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट (सास्की) योजना के अंतर्गत राज्य को वित्तीय वर्ष 2025-26 में 10548 करोड़ रुपए उपलब्ध कराए, जबकि पूर्ववर्ती सरकार के 2020-21 से 2022-23 तक के कार्यकाल में मात्र 7290 करोड़ रुपए ही मिल पाए। वहीं, केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं के अन्तर्गत 13 हजार 658 करोड़, वित्त आयोग सिफारिश एवं अन्य योजनाओं के अन्तर्गत 15 हजार 666 करोड़ रुपए प्राप्त हुए। 15वें वित्त आयोग की सिफारिश पर चिकित्सा क्षेत्र के लिए बीते वित्तीय वर्ष में 2693 करोड़ रुपए से अधिक राशि मिली। उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय योजनाओं में अग्रणी रहने पर प्रदेश को सास्की योजनाओं के तहत 350 करोड़ रुपए प्रोत्साहन राशि के रूप में मिले हैं।

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

Newspaper of 4 April, 2026

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में राजस्थान ने 5 पदक जीते–

25 मार्च-3 अप्रैल, 2026 तक जनजातीय खिलाड़ियों के लिए पहला राष्ट्रीय बहु-खेल 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026' का आयोजन रायपुर, जगदलपुर और सरगुजा (छत्तीसगढ़) में किया गया।

राजस्थान का प्रदर्शन–राजस्थान ने कुल 5 पदक (3 रजत व 2 कांस्य) जीतकर पदक तालिका में 22वाँ स्थान प्राप्त किया।

Newspaper of 6 April, 2026

ग्राम पंचायतों पर 1800 अटल ज्ञान केन्द्रों की स्थापना के लिए वित्तीय स्वीकृति जारी की गई; आगामी वर्ष 1000 अतिरिक्त केन्द्रों की स्थापना होगी–

हाल ही में ग्राम पंचायतों पर 1800 अटल ज्ञान केन्द्रों की स्थापना के लिए वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है।

- अटल ज्ञान केन्द्रों में प्रेरकों के माध्यम से युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, ताकी वे अपने कौशल को विकसित कर आत्मनिर्भर बन सकें। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं के स्व-अध्ययन व प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और आमजन की पठन प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए इन केन्द्रों पर ई-पुस्तकालय की सुविधा भी विकसित की जाएगी।
- राज्य बजट 2026-27 में प्रदेश में एक हजार अतिरिक्त अटल ज्ञान केन्द्रों की स्थापना करने की घोषणा की है।

अटल ज्ञान केन्द्र–अटल ज्ञान केन्द्र में ई-लाइब्रेरी की सुविधा उपलब्ध होगी।

- यहाँ सामान्य पुस्तकें तथा शैक्षणिक सामग्री डिजिटल रूप में मौजूद रहेगी।
- कम्प्यूटर और इंटरनेट की व्यवस्था से युवा ऑनलाइन अध्ययन कर सकेंगे।
- विशेष रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए समर्पित सेक्शन होगा।
- करियर परमार्श और क्षमता निर्माण कार्यक्रम भी केन्द्र का महत्त्वपूर्ण हिस्सा होंगे।
- ई-मित्र और कॉमन सर्विस सेंटर भी स्थापित किए जाएंगे।
- प्रत्येक केन्द्र में एक प्रशिक्षित 'अटल प्रेरक' नियुक्त किया जाएगा।
- यह प्रेरक स्थानीय युवा होगा।
- इसे विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, इससे स्थानीय रोजगार भी सृजित होगा।
- अटल ज्ञान केन्द्र न केवल शिक्षा का माध्यम बनेंगे बल्कि सामाजिक परिवर्तन के वाहक भी साबित होंगे।

Newspaper of 7 April, 2026

लाडो प्रोत्साहन योजना; बालिका को जन्म के साथ ही मिल रहा 1.5 लाख रुपये का संकल्प पत्र–

लाडो प्रोत्साहन योजना के मुख्य लाभ–बालिका के जन्म पर 1.50 लाख रुपये राशि का संकल्प पत्र प्रदान किया जाता है। बालिका के जन्म से लेकर 21 वर्ष आयु पूरी करने तक राशि का भुगतान 7 किश्तों में किया जा रहा है।

- **पहली किश्त**–बालिका का जन्म होने पर 2500 रुपये
- **दूसरी किश्त**–आयु एक वर्ष एवं समस्त टीकाकरण होने पर 2500 रुपये
- **तीसरी किश्त**–पहली कक्षा में प्रवेश लेने पर 4000 रुपये
- **चौथी किश्त**–छठी कक्षा में प्रवेश लेने पर 5000 रुपये
- **पाँचवी किश्त**–10वीं कक्षा में प्रवेश लेने पर 11000 रुपये
- **छठी किश्त**–12वीं कक्षा में प्रवेश लेने पर 25000 रुपये
- **7वीं किश्त**–स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करने एवं 21 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर 1 लाख रुपये।

Newspaper of 9 April, 2026

जयपुर मेट्रो फेज-2 को केन्द्र सरकार से मंजूरी मिली; ₹13038 करोड़ से बनेगा मेट्रो फेज-2

अप्रैल, 2026 में केन्द्र सरकार से जयपुर मेट्रो फेज-2 को मंजूरी मिली गई है। यह परियोजना प्रहलादपुरा से टोडी मोड़ तक 41 किमी लंबे उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर पर विकसित होगी, जिस पर ₹13038 करोड़ खर्च होंगे। इस परियोजना को सितंबर 2031 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इसका निर्माण कार्य राजस्थान मेट्रो रेल निगम करेगा। परियोजना की लागत में केन्द्र और राज्य सरकार 50-50 प्रतिशत हिस्सा वहन करेंगे।

HPCL राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (HRRL); लागत संशोधन और इक्विटी निवेश को कैबिनेट की मंजूरी मिली–

8 अप्रैल, 2026 को कैबिनेट की आर्थिक मामलों की समिति (CCEA) ने पचपदरा (बालोतरा) स्थित एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (HRRL) के लिए संशोधित लागत और अतिरिक्त निवेश को स्वीकृति प्रदान की है। इस परियोजना की लागत को ₹43129 करोड़ से बढ़ाकर ₹79459 करोड़ करने की मंजूरी दी गई है। CCEA ने

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL) द्वारा ₹8962 करोड़ के अतिरिक्त निवेश को मंजूरी दी है। इस वृद्धि के बाद HPCL का कुल इक्विटी निवेश बढ़कर ₹19600 करोड़ हो जाएगा।

यह एक 9 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (MMTPA) क्षमता वाला ग्रीनफील्ड रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स है।

इसकी पेट्रोकेमिकल उत्पादन क्षमता 2.4 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष निर्धारित है।

उल्लेखनीय है कि पचपदरा रिफाइनरी देश की पहली ऐसी रिफाइनरी है जहाँ रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स दोनों एक साथ स्थापित किए गए है।

Newspaper of 11 April, 2026

■ ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम 2026) का रेजर कार्यक्रम जारी किया गया; 23-25 मई, 2026 तक आयोजित होने वाली इस मीट में प्रदेशभर के किसानों को खेती के नवीनतम आधुनिक तरीकों की जानकारी मिलेगी।

जयपुर में 23 से 25 मई तक आयोजित होने वाले ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम 2026) में प्रदेशभर के किसानों को खेती के नवीनतम आधुनिक तरीकों की जानकारी मिलेगी।

- साथ ही उन्हें वैश्विक स्तर आधारित कृषि प्रणालियों को समझने और अपनाने का अवसर मिलेगा।
- इस मीट के माध्यम से कृषि और उससे जुड़े सेक्टर्स पर एकेडेमिक-संस्थागत एवं विशेषज्ञों के अनुभव का लाभ प्रदेश के अनुभव का लाभ प्रदेश के किसानों को मिल पाएगा।
- राजस्थान बाजरा, सरसों, तिलहन, जौ तथा ग्वार में प्रथम, मूंग तथा मूंगफली के उत्पादन में द्वितीय तथा सोयाबीन के उत्पादन में तृतीय स्थान पर है।
- किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती करते हुए रासायनिक उर्वरकों का सीमित उपयोग करना चाहिए तथा मृदा परीक्षण के आधार पर खेती अपनानी चाहिए, ताकि भूमि की उर्वरता भविष्य के लिए सुरक्षित रह सके।
- साथ ही, उन्होंने जल संरक्षण के लिए फव्वारा (स्प्रिंकलर) जैसी आधुनिक सिंचाई तकनीकों को अपनाने पर भी जोर दिया।

ग्राम-2026 के बारे में–ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम)-2026 एक अंतरराष्ट्रीय आयोजन है, जिसमें निवेशकों, एग्री-उद्यमियों, एग्रीटेक डेवलपर्स, शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और किसानों की भागीदारी अपेक्षित है।

- इससे पूर्व ग्राम का आयोजन 2016-17 में किया गया था। इस आयोजन में राज्य के सभी जिलों से 75000 से अधिक किसानों, 250 से अधिक प्रदर्शकों, भारत और विदेश की 100 से अधिक कंपनियों तथा साउथ एशिया, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया तथा उत्तर और दक्षिण अमेरिका के कई सारे साझेदार देशों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है।
- इस आयोजन का उद्देश्य आधुनिक कृषि तकनीकों, नवाचार, निवेश और साझेदारियों को बढ़ावा देना तथा राजस्थान के कृषि क्षेत्र में सतत विकास और किसानों की आय में वृद्धि को प्रोत्साहित करना है।

■ सीएम ने पुलिस मुख्यालय से 42 महिला पीसीआर वैन को हरी झण्डी दिखाई–

10 अप्रैल, 2026 को सीएम ने पुलिस मुख्यालय से महिला सुरक्षा को समर्पित 42 पीसीआर वैन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

- इस दौरान सीएम ने कहा कि महिलाओं के विरुद्ध अपराधाओं एवं घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई के लिए राजस्थान पुलिस को आवश्यक आधुनिक संसाधन उपलब्ध करवाएँ जा रहे हैं। इसी क्रम में यह महिला पीसीआर वैन 24 घण्टे महिलाओं की सहायता के लिए काम करेंगी।
- इन सभी वाहन टीम को अभय कमाण्ड सेंटर से जोड़ा जाएगा, जो कि पहले से संचालित डायल 112 की तर्ज पर कार्य करेगी। इसके लिए प्रत्येक वाहन में मोबाइल डाटा टर्मिनल (एमडीटी) स्थापित किया गया है।
- अभय कमाण्ड सेंटर से एमडीटी को मिले निर्देशों पर अपराध एवं घटना के विरुद्ध प्रभावी तथा त्वरित कार्रवाई संभव होगी। इन वाहनों में अन्य महत्त्वपूर्ण उपकरणों की तहत जीपीएस, फोल्डिंग स्ट्रेचर एवं एलईडी लाइट बार को भी उपलब्ध करवाया गया है।
- महिला सुरक्षा हेल्पलाइन 1090 महिलाओं को आपातकालीन स्थिति जैसे उत्पीड़न, शोषण और हिंसा के मामलों में सहायता प्रदान करती है।

■ पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में 'ब्रह्मास्त्र' युद्धाभ्यास आयोजित किया–

10 अप्रैल, 2026 भारतीय सेना की दक्षिणी कमान द्वारा युद्धाभ्यास 'ब्रह्मास्त्र' जैसलमेर की पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में आयोजित किया गया। इस एक्सरसाइज का मुख्य उद्देश्य जमीन और हवा के बीच रियल टाइम डेटा शेयरिंग और बेहतर समन्वय को परखना था। इसमें अपाचे हेलीकॉप्टर, हेलफायर मिसाइल और ड्रोन किलर सिस्टम मुख्य आकर्षण रहे।

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

Newspaper of 15 April, 2026

■ राजस्थान के कस्बों व शहरों व युवाओं के लिए 200 अंबेडकर ई-लाइब्रेरी खोली जाएंगी–

14 अप्रैल को हुई मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार राजस्थान में शहरों व कस्बों में 200 अंबेडकर ई-लाइब्रेरी खोली जाएंगी। इसके साथ ही अनुसूचित जाति (एससी) के युवाओं के लिए अंबेडकर पीठ मूंडला में अंबेडकर आवासीय कोचिंग सेंटर खोला जाएगा।

■ ई-नाम (e-NAM) प्लेटफॉर्म पर कृषि व्यापार में राजस्थान देश में प्रथम रहा–

राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) प्लेटफॉर्म पर कृषि व्यापार के मामले में राजस्थान ने देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त कर डिजिटल कृषि विपणन में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। 14 अप्रैल, 2016 को शुरू की गई इस योजना के माध्यम से राजस्थान ने पारदर्शी व्यापार और डिजिटल भुगतान में उल्लेखनीय प्रगति की है।

राष्ट्रीय रैंकिंग में राजस्थान की स्थिति

- **कृषि व्यापार (Trade)**–देश में प्रथम स्थान
- **कुल आवक (Arrivals)**–देश में द्वितीय स्थान।
- **ई-पेमेंट (e-payment)**–राष्ट्रीय स्तर पर चतुर्थ स्थान (44,711 लेन-देन के जरिए ₹505 करोड़ से अधिक का सीधा भुगतान)।

Newspaper of 16 April, 2026

■ राज्य में 'प्रोजेक्ट कराकल' का शुभारम्भ हुआ–

15 अप्रैल, 2026 को राजस्थान में दुर्लभ जंगली बिल्ली, कराकल (सियाहगोश) के संरक्षण के लिए 'प्रोजेक्ट कराकल' का आधिकारिक शुभारम्भ किया गया। यह शुभारम्भ रणथम्भौर टाइगर रिजर्व में 'राजस्थान में कराकल संरक्षण' विषय पर आयोजित राज्य-स्तरीय कार्यशाला के दौरान किया गया।

सहयोगी संस्थान–राजस्थान वन विभाग, भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII), SACON (Salim Ali Centre for Ornithology and Natural History) और टाइगर वॉच।

इस प्रोजेक्ट के तहत विशेष रूप से रणथम्भौर, मुकुंदरा हिल्स और रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में कराकल की स्थिति का आकलन और निगरानी की जाएगी।

Newspaper of 17 April, 2026

■ राजस्थान पुलिस का 77वाँ स्थापना दिवस मनाया गया–

16 अप्रैल, 2026 को राजस्थान पुलिस का 77वाँ स्थापना दिवस मनाया गया। राज्य स्तरीय समारोह जयपुर में हुआ जिसमें मुख्यमंत्री ने निम्न घोषणाएँ कीं–

- राज्य में पुलिस प्रशिक्षण क्षमता के विकास के लिए विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों में प्रति संस्थान 100-100 व्यक्तियों की क्षमता वाले 5 बैरकों का निर्माण होगा।
- पुलिस कार्मिकों के स्पोर्ट्स, वेलफेयर एवं उत्सव फंड में 5 करोड़ रुपए का अतिरिक्त प्रावधान होगा।
- पुलिस कार्मिकों के लिए प्रथम चरण में विभिन्न श्रेणियों के 500 आवासों का निर्माण होगा।

Newspaper of 22 April, 2026

■ रूफ टॉप सौर ऊर्जा में राजस्थान देश में तीसरे स्थान पर–

राज्य में सौर ऊर्जा के प्रति विद्युत उपभोक्ताओं का रुझान तेजी से बढ़ रहा है। कुल रूफ टॉप सोलर इंस्टॉलेशन के मामले में राजस्थान देश में तीसरे स्थान पर है।

- इसकी कुल क्षमता 2090 मेगावाट है।
- गुजरात, 6882 मेगावाट क्षमता के साथ प्रथम, महाराष्ट्र, 5442 मेगावाट क्षमता के साथ द्वितीय स्थान पर है।
- प्रदेश में अब तक घरेलू, अघरेलू तथा औद्योगिक श्रेणी में कुल 245317 रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जा चुके हैं।
- इससे 143965 उपभोक्ताओं का बिजली उपभोग बिल शून्य हो गया है।
- छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर विद्युत उपभोक्ता ऊर्जा आत्मनिर्भर बन रहे हैं और देश की ऊर्जा सुरक्षा में योगदान दे रहे हैं।
- प्रदेश में लगभग 32 हजार उपभोक्ता ऐसे हैं, जिन्होंने 10 किलोवाट या इससे अधिक क्षमता के रूफटॉप सोलर स्थापित किए हैं।
- पीएम सूर्यघर योजना के तहत राज्य में अब तक 686 मेगावाट क्षमता के 1 लाख 77 हजार 468 रूफ टॉप सोलर संयंत्र स्थापित हो चुके हैं।

■ 43वीं सारस गणना के अन्तर्गत घना राष्ट्रीय उद्यान में सारस की संख्या में वृद्धि हुई–

21 अप्रैल, 2026 को 'केवलादेव नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी' द्वारा भरतपुर स्थित 'केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान' (यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल) में 43वीं सारस गणना कार्यक्रम का आयोजित किया गया।

यह गणना राज्य के पारिस्थितिकी तंत्र में सारस पक्षियों की स्थिति को समझने के लिए प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है। इस वर्ष यहाँ सारस की संख्या 22 दर्ज की गई है। जबकि वर्ष 2025 में यहाँ मात्र 14 सारस पाए गए थे। भरतपुर व डीग जिलों के आर्द्रभूमि क्षेत्रों में सारस की संख्या 79 से बढ़कर 81 हो गई है।

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

■ मॉस्को स्टार्स वुशू चैम्पियनशिप; राजस्थान के शिव को स्वर्ण और धीरज को रजत–

15-21 अप्रैल, 2026 रूस के मॉस्को में आयोजित 11वीं 'मॉस्को स्टार्स वुशु चैम्पियनशिप' में राजस्थान के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो पदक अपने नाम किए हैं।

पदक विजेता–

- **शिव (स्वर्ण पदक)**–श्रीगंगानगर के शिव ने 60 किलोग्राम भारवर्ग के फाइनल में मेजबान रूस के खिलाड़ी को हराकर स्वर्ण पदक जीता।
- **धीरज चौधरी (रजत पदक)**–अजमेर (केकड़ी) के धीरज चौधरी ने 100 किलोग्राम भारवर्ग के फाइनल में रूसी खिलाड़ी के विरुद्ध कड़ा संघर्ष करते हुए रजत पदक हासिल किया।

Newspaper of 23 April, 2026

■ इंडिया जस्टिस रिपोर्ट के अन्तर्गत उपभोक्ता संरक्षण में राजस्थान ने देश में तीसरा स्थान हासिल किया–

उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में राजस्थान ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए इंडिया जस्टिस रिपोर्ट में देश के बड़े राज्यों में तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

यह उपलब्धि उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में बजटीय प्रावधान, आधारभूत ढांचा निर्माण, मानव संसाधन, कार्यभार प्रबंधन सहित 11 मापदंडों पर बेहतरीन प्रदर्शन करने पर प्रदान की गई है।

दिसम्बर 2023 में विभाग में विभिन्न महत्त्वपूर्ण सुधार किए गए है। राज्य एवं सभी जिलों में उपभोक्ता आयोगों में सदस्यों की भर्ती पूर्ण पारदर्शिता के साथ लिखित परीक्षा के माध्यम से की गई।

नवाचार के रूप में राज्य एवं जिला आयोग में परिवाद निस्तारण के लक्ष्य आवंटित किए गए हैं। राज्य में उपभोक्ता आयोगों के लिए नए भवनों का निर्माण किया जा रहा है, जिससे आधारभूत संरचना को सुदृढ़ किया जा सके।

Newspaper of 27 April, 2026

■ राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-2026; जयपुर में रिकॉर्ड बिक्री के साथ संपन्न–

सहकारिता विभाग एवं कॉनफेड (CONFED) के तत्वावधान में आयोजित 10 दिवसीय 'राष्ट्रीय सहकार मसाला मेले' का समापन 26 अप्रैल, 2026 को जयपुर में हुआ। इस वर्ष मेले ने बिक्री और जनभागीदारी के पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। रिकॉर्ड ₹5.5 करोड़ की रिकॉर्ड बिक्री हुई।

Newspaper of 28 April, 2026

■ पशुपालन विभाग द्वारा तरल नाइट्रोजन परिवहन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया; अलवर, खैरथल-तिजारा, कोटपूतली-बहरोड़, सलूम्बर, फलौदी और जैसलमेर को सौगात दी गई–

पशुपालन, डेयरी, गोपालन एवं मत्स्य विभाग के प्रमुख सचिव के अनुसार–

- इन प्रयासों के परिणामस्वरूप प्रदेश में लाखों लोगों को कृषि एवं पशुपालन से रोजगार प्राप्त हो रहा है।
- 25 अप्रैल, 2026 को राजस्थान पशुधन विकास बोर्ड के तत्वावधान में 6 तरल नाइट्रोजन परिवहन वाहनों की विधिवत पूजा कर उन्हें हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।
- तरल नाइट्रोजन के वितरण की व्यवस्था को सुगम और सुदृढ़ बनाने की दृष्टि से केन्द्र सरकार की शत प्रतिशत वित्त पोषित राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना के तहत 6 जिलों को नाइट्रोजन परिवहन वाहन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।
- इससे पूर्व भी आवश्यकतानुसार 20 जिलों को ये वाहन उपलब्ध कराए गए हैं।
- नाइट्रोजन विशेष रूप से कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रमों के लिए अत्यंत आवश्यक है।
- इसके सुरक्षित एवं समयबद्ध परिवहन की व्यवस्था से ग्रामीण क्षेत्रों तक उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएँ पहुंचाना संभव होगा।
- उल्लेखनीय है कि ये नाइट्रोजन परिवहन वाहन अलवर, खैरथल-तिजारा, कोटपूतली-बहरोड़, सलूम्बर, फलौदी तथा जैसलमेर जिलों के लिए रवाना किए गए हैं।

Newspaper of 29 April, 2026

■ प्रदेश में सौर संयंत्रों की क्षमता 4 हजार मेगावाट के स्तर पर पहुँची–

प्रदेश में पीएम-कुसुम योजना के तहत स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्रों की कुल क्षमता 4 हजार मेगावाट के स्तर को छू गई है।

- अब प्रदेश के गांव-ढाणी में 4 हजार मेगावाट क्षमता के 1808 संयंत्र स्थापित हो चुके हैं।
- कुसुम कम्पोनेंट-ए में राजस्थान सर्वोच्च पायदान पर है।
- वहीं, कम्पोनेंट-सी में गुजरात और महाराष्ट्र के बाद तीसरे स्थान पर है।
- कुसुम के तहत स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्रों से राज्य में 2.62 लाख किसानों को कृषि के लिए दिन में बिजली मिल रही है।
- खेत के समीप अनुपजाऊ भूमि पर लग रहे अधिकतम 5 मेगावाट तक के यह सौर ऊर्जा संयंत्र राज्य के कृषि क्षेत्र

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

- इनमें से राज्य के विद्युत वितरण निगमों को सस्ती बिजली मिल रही है और ऊर्जा का उपयोग बढ़ रहा है।

पहले 48 माह लगे, अब ढाई माह में ही एक हजार मेगावाट क्षमता जोड़ी–

- कम्पोनेंट-ए में प्रदेश का पहला प्लांट अप्रैल 2021 को तथा कम्पोनेंट-सी का पहला सौर ऊर्जा संयंत्र नवम्बर, 2023 में स्थापित हुआ था।
- इसके बाद मई 2025 को पहले 1 हजार मेगावाट क्षमता के स्तर तक पहुँचने में 48 माह लग गए।
- इसके बाद 2 हजार मेगावाट क्षमता हासिल करने में मात्र 5 माह लगे।
- 3 हजार मेगावाट का आंकड़ा छूने में 4 माह और 4 हजार मेगावाट क्षमता हासिल करने में मात्र ढाई माह का ही समय लगा।
- इसी मार्च माह में 543 मेगावाट के संयंत्र स्थापित हुए, जो इस योजना के शुरू होने के बाद किसी एक माह में अब तक की हासिल की गई सर्वाधिक क्षमता है।

प्रदेश को 10.7 गीगावाट की परियोजनाएँ स्वीकृत–

- केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने राजस्थान को कुसुम कम्पोनेंट-ए तथा कुसुम कम्पोनेंट-सी में कुल 10.7 गीगावाट की परियोजनाएँ स्वीकृत की हैं।
- इनमें से शत-प्रतिशत परियोजनाओं के बिजली खरीद अनुबंध किए जा चुके हैं।
- इन परियोजनाओं को वित्तीय वर्ष 2026-27 में पूरा किया जाना है।
- इसे देखते हुए आने वाले समय में राजस्थान में लगभग 500 मेगावाट से एक गीगावाट तक की परियोजनाएँ प्रत्येक महीने स्थापित होने का अनुमान है।
- राजस्थान डिस्कॉम्स ने शेष 6700 मेगावाट क्षमता अक्टूबर, 2026 तक सृजित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

■ पीएम कुसुम योजनान्तर्गत जयपुर के ताला में 4.9 मेगावाट का सबसे बड़ा सौर संयंत्र स्थापित किया–

पीएम कुसुम योजना के तहत प्रदेश का अब तक का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र जयपुर जिला विद्युत सर्कल (उत्तर) के कुंडा की ढाणी में स्थापित किया गया। करीब 4.9 मेगावाट क्षमता वाला यह संयंत्र कुंडा की ढाणी विद्युत सब-डिविजन के ताला स्थित 33 केवी सब स्टेशन से जुड़े गांव डेकला में लगाया गया है। इससे पहले अजमेर डिस्कॉम क्षेत्र में 4.84 मेगावाट क्षमता का संयंत्र सबसे बड़ा था। करीब 24 बीघा भूमि में फैले इस प्लांट से 437 कृषि उपभोक्ताओं को दिन में सिंचाई के लिए निर्बाध बिजली उपलब्ध हो सकेगी। इस संयंत्र से प्रतिदिन औसतन 25 हजार यूनिट बिजली उत्पादन होगा। राज्य में अब तक पीएम-कुसुम योजना के कंपोनेट-ए और कंपोनेट-सी के अंतर्गत कुल 4027 मेगावाट क्षमता के 1819 संयंत्र स्थापित किया जा चुके है।

Newspaper of 30 April, 2026

■ निर्भया कांड पहल के अन्तर्गत कोटा देश के 10 'समावेशी शहरों' में शामिल हुआ–

कोटा को 'महिलाओं और बालिकाओं के लिए समावेशी शहर' परियोजना के लिए देश के चयनित 10 शहरों में शामिल किया गया है। यह पहल निर्भया फंड के अंतर्गत संचालित होगी।

- इस पायलट प्रोजेक्ट में प्रत्येक शहर के लिए लगभग ₹10 करोड़ का प्रावधान बताया गया है।
- इस पहल के अन्तर्गत एआई कैमरे, पिंक ई-रिक्शा, हाई-मास्ट लाइट, महिला पुलिस गश्त, पिंक एम्बुलेंस, कॉल बॉक्स, सुरक्षित प्रतीक्षालय और पिंक टॉयलेट जैसी सुविधाएँ विकसित की जाएँगी।
- इसका उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं के लिए शहर को अधिक सुरक्षित, संवेदनशील और समावेशी बनाना है।
- अन्य चयनित 9 शहर धार (मप्र), डिब्रूगढ़ (असम), कोडरमा (झारखण्ड), मंडी (हिप्र), मेहसाणा (गुजरात), मुलुगु (तेलंगाना), संबलपुर (ओडिशा), श्रीकाकुलम (आन्ध्रप्रदेश) और वाराणसी (उत्तर प्रदेश) है।

■ श्रेयांशी जैन ने वर्ल्ड कैडेट्स शतरंज चैम्पियनशिप 2026 में स्वर्ण पदक जीता–

जयपुर की मात्र 7 वर्षीय शतरंज खिलाड़ी श्रेयांशी जैन ने सर्बिया के वर्नजाका बांजा में आयोजित 'FIDE वर्ल्ड कैडेट्स चैम्पियनशिप 2026' में स्वर्ण और कांस्य पदक जीतकर अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का तिरंगा फहराया है। श्रेयांशी ने अंडर-8 बालिका वर्ग की 'ब्लिट्ज सॉल्विंग चैम्पियनशिप' में 12 में से 7 कठिन पहेलियों को सटीकता से हल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

■ मारवाड़ रत्न पुरस्कार 2026 की घोषणा की गई; शहीद मेजर शैतानसिंह को 'वीर शिरोमणि सम्मान'–

मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट, जोधपुर द्वारा वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित 'मारवाड़ रत्न पुरस्कारों' की घोषणा पूर्व नरेश गजसिंह द्वारा की गई है। ये पुरस्कार 12 मई, 2026 को

जोधपुर स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में प्रदान किए जाएंगे।

प्रमुख पुरस्कार एवं विजेता

पुरस्कार का नाम	विजेता	क्षेत्र
राव सीहा सम्मान	डॉ. एल.एल. जाट	कृषि विशेषज्ञ
महाराजा हनुवन्तसिंह सम्मान	डॉ. ईशा दीक्षित व डॉ. प्रणव दीक्षित	चिकित्सा/शिक्षा
पद्मभूषण कोमल कोठारी सम्मान	प्रो. जॉन डी स्मिथ	राजस्थानी लोक संगीत
मेजर दलपतसिंह सम्मान	विंग कमांडर दीपिका मिश्रा	शौर्य
महाराजा मानसिंहजी सम्मान	डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी	साहित्य एवं शिक्षा
महाराजा उम्मेदसिंह सम्मान	पद्मश्री श्यामसुंदर पालीवाल	पर्यावरण संरक्षण
मुहणत नैणसी सम्मान	डॉ. भुवनेश जैन	पर्यावरण-पत्रकारिता
गजसिंह (द्वितीय) सम्मान	झीमा देवी (बाड़मेर)	हस्तशिल्प एवं विरासत

- **विधानसभा अध्यक्ष ने 16वीं राजस्थान विधानसभा की समितियों का गठन (2026-27) किया।**

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने 16वीं विधानसभा के लिए वर्ष 2026-27 की विभिन्न समितियों का गठन किया है।

समितियों का कार्यकाल 31 मार्च, 2027 तक प्रभावी रहेगा।

प्रमुख वित्तीय समितियाँ और सभापति–विधानसभा की चार प्रमुख वित्तीय समितियों के अध्यक्षों को नियुक्तियाँ इस प्रकार की गई हैं–

समिति	सभापति
जनलेखा समिति (PAC)	टीकाराम जूली (कांग्रेस; नेता प्रतिपक्ष)
प्राक्कलन समिति 'क'	संदीप शर्मा (भाजपा)
प्राक्कलन समिति 'ख'	बाबू सिंह राठौड़ (भाजपा)
राजकीय उपक्रम समिति	कालीचरण सराफ (भाजपा)

अन्य महत्त्वपूर्ण समितियाँ और उनके सभापति

नियम समिति	विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी (पदेन सभापति)
सामान्य प्रयोजनों संबंधी समिति प्रश्न एवं संदर्भ समिति	वासुदेव देवनानी राजेन्द्र पारीक
महिलाओं एवं बालकों के कल्याण संबंधी समिति	कल्पना देवी
पिछड़े वर्ग के कल्याण संबंधी समिति	नरेन्द्र बुडानियाँ
अनुसूचित जाति कल्याण समिति	रमेश खींची
अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति	फूलसिंह मीणा
गृह तथा स्थानीय निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं संबंधी समिति	डॉ. जसवंत सिंह यादव
पुस्तकालय एवं सरकारी संबंधी समिति	हरिसिंह रावत
याचिका एवं सदाचार समिति	कैलाश चन्द वर्मा
विशेषाधिकार एवं अधीनस्थ संबंधी समिति	जितेन्द्र कुमार गोठवाल
अल्पसंख्यकों के कल्याण एवं पर्यावरण संबंधी समिति	केसराम चौधरी

- **जैसलमेर में पहली बार प्राकृतिक रूप से गोडावण के चूजों का जन्म हुआ–**

जैसलमेर जिले के गोडावण ब्रीडिंग सेंटरों में 3 नए चूजों का जन्म कृत्रिम गर्भाधान की बजाय प्राकृतिक ढंग से हुआ है। राष्ट्रीय मरु उद्यान (डीएनपी) में संचालित संरक्षण कार्यक्रम के तहत इस वर्ष अब तक 11 चूजों [3 चूजे प्राकृतिक तरीके + 8 चूजे आर्टिफिशियल इंसेमिनेशन (AI) तकनीक से] का जन्म हो चुका है।

□□□

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

संजीव®

51 वर्षों से आपका विश्वसनीय

आपकी सफलता में सदैव आपका सहयोगी

कैलाश नागौरी की प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा हेतु हिन्दी की उपयोगी पुस्तकें

संजीव प्रकाशन द्वारा प्रकाशित प्रमुख पुस्तकें

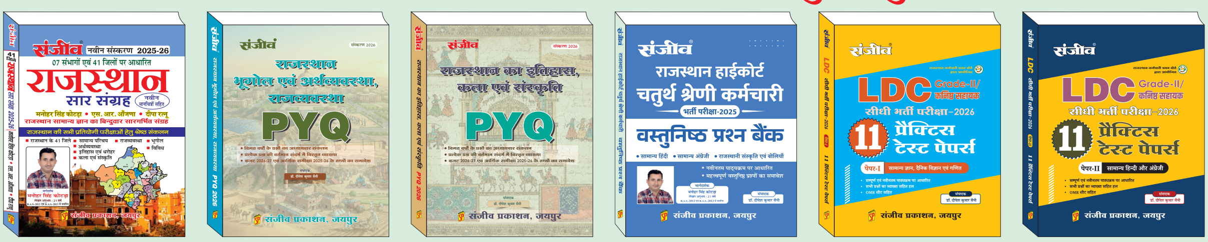

संजीव प्रकाशन

संजीव Telegram चैनल, App एवं Website से परीक्षा उपयोगी पाठ्य सामग्री निःशुल्क प्राप्त करें। साथ ही संजीव App एवं वेबसाइट से आप Books एवं E-Books भी खरीद सकते हैं।

Join Our App

Join Our Telegram

प्रकाशक-संजीव प्रकाशन, जयपुर

Visit us at : www.sanjivprakashan.com